सांस्कृतिक आस्था के केंद्र होते हैं तीर्थस्थल : योगी

राज्य ब्यूरो,लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि तीर्थ स्थल सांस्कृतिक आस्था के केंद्र होते हैं। देश के कोने-कोने से यहां आने वाले साथ में अपनी परंपरा और संस्कृति भी लाते हैं। इससे हमारी सांस्कृतिक एकता को मजबूती मिलती है। मुख्यमंत्री अपने आवास पर कैलास मानसरोवर और सिंधु दर्शन यात्रा पर पिछले साल गए श्रद्धालुओं को अनुदान का चेक बांट रहे थे।

योगी ने कहा कि मैं धार्मिक यात्राओं के लिए सरकारी मदद का पक्षधर नहीं हूं। यह काम समाज के सहयोग से ही होना चाहिए, पर कैलास मानसरोवर और सिंधु यात्रा दुर्गम होने और अपनी संपन्न परंपरा से जुड़ने के नाते खास है। उन्होंने कैलास मानसरोवर यात्रियों को 50 हजार और सिंधुदर्शन यात्रियों को 10 हजार रुपये की अनुदान राशि भेंट की। उन्होंने कहा कि गाजियाबाद में निर्माणाधीन कैलास मानसरोवर और सिंधु भवन को भव्य बनाया जाएगा।

धर्मार्थ कार्य के वेबपोर्टल का लोकार्पण : योगी ने इस मौके पर धर्मार्थ कार्य विभाग के वेबपोर्टल का भी लोकार्पण किया। पोर्टल के जरिये कैलास मानसरोवर यात्रा पर जाने वाले ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। इसी तरह काशी विश्वनाथ मंदिर में अपनी श्रद्धा के अनुसार आरती, भोग, रुद्राभिषेक और श्रृंगार आदि अनुष्ठानों के लिए भी आवेदन कर सकते हैं। तय तिथि पर ऐसे लोगों को पूजा के लिए सीधे प्रवेश मिलेगा। उनके न आने पर भी मंदिर प्रशासन पूजा करवा कर प्रसाद संबंधित श्रद्धालु के पते पर भेज देगा। ऑनलाइन दान भी स्वीकार होगा। साथ ही इस पर नियमानुसार आयकर की छूट भी मिलेगी।